695

HD-01

December - Examination 2019

B.A. Pt. I Examination

हिन्दी पद्य भाग–1 (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Paper - HD-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 70**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A

$7 \times 2 = 14$

(Very Short Answer Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) पद्मावत के रचयिता का नाम लिखिए।

(ii) सूफी काव्य धारा के दो कवियों के नाम लिखिए।

(iii) कबीर के ब्रह्म का स्वरूप कैसा है?

(iv) अष्टछाप के दो प्रमुख कवियों के नाम बताइए।

(v) रीतिकाल की प्रमुख काव्य धाराएँ कौन–कौनसी हैं?

(vi) हास्य रस का स्थायी भाव क्या है?

(vii) यमक अलंकार की परिभाषा लिखिए।

Section - B $4 \times 7 = 28$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 7 marks.

खण्ड – 'ब'

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2) निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

मनहुँ कला ससभान कला सोलह सो बन्निय ।
बाल वैस, ससि ता समीप अम्रित रस पिन्निय ।।
बिगसि कमलस्त्रिग–, भ्रमर, बेनु, खंजन, म्रिग लुट्टिय ।
हीर, कीर, अरु बिंब मोति, नष सिष अहि घुट्टिय ।।
छप्पति गयंद हरि हंस गति, बिह बनाय संचै सँचिय ।
पदमिनिय रूप पद्मावतिय, मनहुँ कामकामिनि रचिय ।।

3) निम्नलिखित की सप्रंसग व्याख्या कीजिए–

उधो, मन न भए दस बीस ।
एक हुतो सो गयौ स्याम संग, को अवराधै ईस ।।
सिथील भई सबहीं माधौ बिनु जना देह बिनु सीस ।
स्वासा अटकि रही आसा लगि, जीवहिं कोटी बरीस ।।
तुम तौ सखा स्यामसुन्दर के, सकल जोग के ईस ।
सूरदास, रसिकन की बतियां पुरवौ मन जगदीस ।।

4) निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

स्वारथु सुकृत न स्रमु बृथा देखि बिहंग बिचारि ।
बाज पराए पानि परि तूँ पच्छीनु न मारि ।।
कर लैं सूँघि सराहिहूँ रहैं सबै गहि मौनु ।
गंधी अंध गुलाब कौ गँवई गाहकु कौनु ।।

5) निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं ।
तहाँ साँचे चलैं तजि आपनपौ झिझकैं कपटी जे निसाँक नहीं ।।
घनआनंद प्यारे सुजान सुनौ यहाँ एक ते दूसरो आँक नहीं ।
तुम कौन धौं पाटी पढ़े हौ लला, मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं ।।

6) भक्ति काल को स्वर्णयुग क्यों कहा जाता है?

7) मीरा की भक्ति पर लेख लिखिए ।

8) रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्यधारा में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

9) शब्दशक्ति की परिभाषा देते हुए इसके भेद बताइए ।

Section - C $2 \times 14 = 28$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 14 marks.

खण्ड – 'स'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10) कबीर के काव्य के अनुभूति पक्ष को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

11) तुलसी समन्वय की विराट चेष्टा के कवि हैं – कथन की युक्तियुक्त समीक्षा कीजिए।

12) आदिकालीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए।

13) टिप्पणी लिखिए – (प्रत्येक 5 अंक)

(i) रस के अवयव

(ii) ओज गुण

(iii) अक्रमत्व दोष

(iv) रोला छंद